Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



Bhagavad Gita Prize Distribution ceremony (1st February)

The Annual Book Marathon concluded on 24th January. The Book Marathon is that time of the year when devotees endeavour tirelessly to distribute transcendental literature in order to assist Prabhupada in his mission. One of the primary objectives of the establishment of ISKCON, is the distribution of Vedic wisdom. Devotees are absorbed and wholeheartedly involved in this activity during the months of November and December. No stone is left unturned, from traffic lights to malls and market places, devotees spread out like soldiers on the mission of overpowering nescience and ignorance. Propelled by the impetus to please their Guru, Prabhupada and the disciplic succession, devotees work extremely hard and participate in the Book Marathon.

The toil and strife of devotees culminated in the distribution of more than 5 Lac books. In order to encourage devotees, a Prize Distribution Ceremony was organised on 1st February, in the Auditorium. Many anecdotes from the experiences of devotees were shared. Book distributors were glorified and praised for their contribution. The ceremony was graced with the presence of His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja. Addressing the gathering, Maharaja reiterated that pleasing the Guru with one's service is the sure shot way of ascertaining that one goes back to Godhead. Delicious prasadam was served after the ceremony.





भगवद गीता पुरस्कार वितरण समारोह (पहली फरवरी) वार्षिक पुस्तक मैराथन का समापन 24 फरवरी को हुआ। पुस्तक मैराथन, वर्ष का वह समय है जब भक्त श्रील प्रभुपाद को उनके मिशन में सहायता करने हेतु दिव्य साहित्य वितरित करने का अथक प्रयास करते हैं। इस्कॉन की स्थापना के प्राथमिक उद्देश्यों में से एक, वैदिक ज्ञान का वितरण है। नवंबर और दिसंबर के महीनों में भक्त पूरी तरह से इस गतिविधि में शामिल होते हैं। ट्रैफिक लाइट से लेकर मॉल्स और बाजार की जगहों तक कोई भी स्थान नहीं छोड़ते। भक्त उपद्रव और अज्ञानता पर काबू पाने के मिशन में सैनिकों की तरह फैल गए। अपने गुरुदेव, प्रभुपाद और सारी गुरु परंपरा को प्रसन्न करने की प्रेरणा से प्रेरित होकर, भक्त बहुत कड़ी मेहनत करते हैं और बुक मैराथन में भाग लेते हैं।

भक्तों द्वारा किए कठिन परिश्रम और संघर्ष की परिणति 5 लाख से अधिक पुस्तकों के वितरण के रूप में हुई। भक्तों को प्रोत्साहित करने हेतु 1 फरवरी को सभागार में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया था। भक्तों के अनुभवों के कई किस्से साझा किए। पुस्तक वितरकों को उनके योगदान हेतु महिमामंडित किया गया और उनकी प्रशंसा की गई। परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज की उपस्थिति से समारोह गौरवान्वित हुआ। सभा को संबोधित करते हुए, महाराज ने दोहराया कि किसी का सेवा द्वारा गुरु को प्रसन्न करना ही यह पता लगाने का निश्चित तरीका है कि कोई भगवद धाम वापस जायेगा। समारोह के बाद स्वादिष्ट प्रसादम परोसा गया।

नामहट्ट पुरस्कार वितरणः

नामहट्ट ने 10 फरवरी को बुक मैराथन में भाग लेने वाले आश्रय सदस्यों को सम्मानित करने हेतु एक विशेष पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया। श्रीमान बलभद्र प्रभु जी के कुशल तत्वाधान में, सभी आश्रय सेवकों एवं विजेताओं की उपस्थिति में समारोह संपन्न हुआ। सदस्यों ने अपने अनुभव एवं स्मृतियों को साझा किया तथा उन्हें मंदिर के अध्यक्ष, मोहनरूप प्रभुजी द्वारा सेवा की भावना बनाए रखने हेतु प्रोत्साहित भी किया गया। समारोह का समापन सुस्वादिष्ट प्रसादम के साथ किया गया।

Namahatta Prize Distribution

Namahatta organised a special Prize Distribution Ceremony on February 10, to felicitate the Ashraya members who participated in the Book Marathon. Under the able aegis of Balabhadra Prabhuji, the ceremony was carried out in the presence of all Ashraya leaders and the winners. Members shared memories and realisations and they were encouraged by the Temple President, Mohan Rupa Prabhuji, to keep up the spirit of service. The ceremony was followed with sumptuous prasadam.

Nityananda Katha (1st -4th Feb) (ISKCON, Dwarka)

H.H. Haladhar Swami Maharaj graced the hearts of every devotee or even non-devotee with the pure bliss of glories of Nityananda Prabhu. Maharaj showered the nectarine mercy on all the devotees present during these sessions. The lectures were held both in the morning and evening. The glories of Nityananda Prabhu mesmerized everyone. Each lecture was followed by sumptuous prasadam.

An evening of celebration and gratitude (Feb 2, 2020) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Annual Book Marathon Awards were hosted to express gratitude and congratulate all the enthusiastic devotees who devoted their energy and time in distributing Srila Prabhupada books. It was a collective effort from the temple brahmacharis and congregation - each one participated with enthusiasm and zeal. The highlight this year was the introduction of the unique mediums used by the devotees to increase distribution of books such as WhatsApp, through which over 5,000 books were distributed. Other mediums that were used included Internet Sales, Market Association Contacts and School Olympiads. The entire community came together in the month of Gita Jayanti to reach out to people with the message of Bhagavad Gita which can empower people and bring peace and happiness in their lives. This year the temple distributed 2,88,000 Gita. The program was graced by the presence of the pillar of ISKCON book distribution in India and around the world – H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja and H.G. Rukmini Mataji. All the participants in the book distribution were given vote of thanks and awards by Maharaja and Mataji.



नित्यानंद कथा (1– 4 फरवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

परम पूज्य हलधर स्वामी महाराज ने सभी भक्तों यहाँ तक कि गैर भक्तों के हृदयों को भी नित्यानंद प्रभु की महिमा के आनंद से आप्लावित कर गौरवान्वित कर दिया। महाराज ने इन सत्रों के दौरान उपस्थित सभी भक्तों पर कृपामयी अमृत की वर्षा की। प्रवचन प्रातः एवं संध्याकाल दौनों समय आयोजित किए गए थे। नित्यानंद प्रभु की झाँकी ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रत्येक प्रवचन के बाद सुस्वादिष्ट प्रसादम किया गया।



🌳 कृतज्ञता एवं आभार उत्सव संघ्या (२ फरवरी 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

उन सभी उत्साही भक्तों को बधाई देने एवं कृतज्ञता व्यक्त करने हेत् जिन्होंने श्रील प्रभुपाद की पुस्तकों के वितरण में अपनी ऊर्जा एवं समय को समर्पित किया, वार्षिक पुस्तक मैराथन का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। यह मंदिर ब्रह्मचारी एवं भक्त मण्डली का सामुहिक प्रयास था – प्रत्येक ने उत्साह एवं उमंग के संग इसमें हिस्सा लिया। इस वर्ष के मुख्य आकर्षण में भक्तों द्वारा पुस्तकों के वितरण को बढ़ाने हेतू उपयोग किए जाने वाले अद्वितीय माध्यमों की शूरुआत थी, जैसे कि व्हाट्सप्प आदि जिसके माध्यम से 5,000 से अधिक पुस्तकों का वितरण किया गया था। अन्य माध्यम जो उपयोग किए गए थे उनमें इंटरनेट बिक्री, मार्केट एसोसिएशन से संपर्क तथा स्कूल ओलंपियाड शामिल थे। गीता जयंती के महीने में भगवद गीता के उस संदेश को लोगों तक पहुंचाने में पूरे समुदाय का साझा प्रयास रहा. जो लोगों को सशक्त बना सके और उनके जीवन में शांति और आनंद भर सके। इस साल मंदिर ने 2,88,000 गीता वितरित कीं। यह कार्यक्रम भारत और दुनिया भर में इस्कॉन पुस्तक वितरण के स्तंभ – परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज जी एवं साथ ही श्रीमती रुक्मिणी माताजी की उपस्थिति से गौरवान्वित हुआ। पूस्तक वितरण में शामिल सभी प्रतिभागियों को महाराज जी के साथ ही रुक्मिणी माताजी द्वारा सधन्यवाद पुरुस्कार वितरित किये गए।

"दिशाहीन प्रेम' संगोष्ठी (2 फरवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

आई वाई एफ द्वारका ने आधुनिक युवाओं को शिक्षित करने के अपने निरंतर प्रयास में 'दिशाहीन प्रेम' नामक एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम के वक्ता श्रीमान अमोघ लीला प्रभु रहे।

Misdirected Love Seminar (2nd Feb) (ISKCON, Dwarka)

IYF DWARKA in its continuous endeavour to educate the modern youth organized a special seminar. The speaker for the program was H.G. Amogha Lila Prabhu. More than 100 youths attended the program. Youths were given some practical lessons from the shastras that how love in this material world is just skin deep. The takeaway message given was how association plays an important role in every aspect of life and our real love should be for Krishna. The program was followed by birthday celebration (participants who have birthday in February), ecstatic Kirtan and sumptuous prasadam.

The Journey of Inspiration continues:Vartalaap (2nd Feb) (ISKCON, Punjabi Bagh)

A new episode of a very popular talk show 'Vartalaap' was released on the ISKCON Punjabi Bagh App on Apple store, Google Playstore, Jigyasa YouTube channel and across other social media platforms. This month's episode was very special, with a very popular devotee amongst ISKCON circle – H.G. Amogha Lila Prabhu. The devotee community is feeling extremely nourished and enriched by the experiences being shared by the leaders on this show.

A special seminar on Grihastha Ashram (5th- 8th Feb) (ISKCON, Dwarka)

Mayapur Institute organized this seminar which was facilitated by H.G. Akrura Prabhu (Deputy GBC Body). The three-day seminar involved teachings for devotees who were aspiring to get married or already married. The devotees came to know about the purpose of grihastha life and how to be in Krishna Consciousness in grihastha ashram under the guidance of the guru. The program was followed by prasadam.

Critical Thanking Seminar (6th Feb) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Sri Aurobindo College, University of Delhi invited Dr. Jyotiranjan Beuria (H.G. Jyotisvara Prabhu) for a guest lecture on "Critical Thinking and Scientific Temper". H.G. Jyotisvara Das serves at Institute for Science and Spirituality (A Scientific



संगोष्ठी में 100 से अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया। युवाओं को शास्त्रों से कुछ व्यवहारिक सबक दिए गए थे कि किस प्रकार इस भौतिक संसार में प्यार का मतलब सिर्फ त्वचा की गहराई तक ही सीमित होता है। लेकर जाने योग्य संदेश यह था कि जीवन के हर पहलू में संगत की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका है और हमारा वास्तविक प्रेम श्रीकृष्ण के लिए होना चाहिए। कार्यक्रमोप्रांत परमानंद दायक कीर्तन के साथ ही जन्मदिन का उत्सव (फरवरी में जन्मदिन वाले प्रतिभागी का), एवं सुस्वादिष्ट प्रसादम किया गया ।

'वर्तालाप एक प्रेरक यात्रा'—सुचारु (२ फरवरी) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

'इस्कॉन पंजाबी बाग मोबाइल एप' पर एप्पल स्टोर, गूगल प्लेस्टोर, जिज्ञासा यू ट्यूब चौनल एवं अन्य सोशल मीडिया मंचों पर बहुत लोकप्रिय टॉक शो ष्वर्तालाप एक प्रेरक यात्राष्का एक नया एपिसोड जारी किया गया। इस महीने का एपिसोड बहुत ही खास था, इस्कॉन सर्कल के मध्य बहुत ही लोकप्रिय भक्त श्रीमान अमोघ लीला प्रभु के साथ – इस टॉक शो में भक्त नेतृत्व द्वारा साझा किए जा रहे अनुभवों से भक्त समुदाय बेहद पोषित और समृद्ध महसूस कर रहा है।

गृहस्थ आश्रम पर एक विशेष संगोष्ठी (5 – 8 फरवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

मायापुर संस्थान ने इस संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें श्रीमान अक्रूर प्रभु जी (सहायक जी बी सी बॉडी) ने व्याख्यान दिया। तीन दिवसीय संगोष्ठी में उन भक्तों के लिए उपदेश शामिल थे, जो विवाह करने के इच्छुक हैं अथवा पूर्व में ही विवाहित हैं। श्रद्धालुओं को गुरु के मार्गदर्शन में गृहस्थ जीवन के उद्देश्य और गृहस्थ आश्रम में कृष्ण भावनाभावित रहने के उद्देश्य के विषय में पता चला। कार्यक्रम के उपरान्त प्रसादम हुआ।



'महत्वपूर्ण सोच एवं वैज्ञानिक स्वभाव' संगोष्ठी (6 फरवरी) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरबिंदो कॉलेज, में डॉ.ज्योतिरंजन बेउरिया (श्रीमान ज्योतिश्वर प्रभु) को ष्महत्वपूर्ण सोच एवं वैज्ञानिक स्वभावष् पर एक अतिथि व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। श्रीमान ज्योतिश्वर दास अध्यात्म एवं विज्ञान संस्थान (इस्कॉन दिल्ली की वैज्ञानिक अध्ययन इकाई) के सदस्य जो कि इस्कॉन पंजाबी बाग में सेवारत हैं। यह व्याख्यान, विज्ञान के दर्शन एवं इतिहास पर आधारित एक विचारोत्तेजक प्रस्तुति थी जिसने अत्याधुनिक समय में वैज्ञानिक समस्याओं को उनकी सीमाओं के साथ–साथ उनकी वास्तविक प्रकृति को समझने में प्रकाश डाला। इस वार्ता ने जीवन Study Wing of ISKCON Delhi) and ISKCON Punjabi Bagh. The talk was a thought-provoking presentation on history and philosophy of science that highlighted the cuttingedge scientific problems along with their limitations in deciphering nature of reality. The talk encouraged a broad outlook towards developing critical thinking in every sphere of life. In other words, "critical thinking" is not limited to the framework laid out by inductive scientific method, rather it focuses on the nature of absolute truth in its maturity. It was attended by around 200 participants which included 20 faculty members. The talk was highly appreciated by the audience for its unbiased presentation and scientific rigor.

Appearance of Lord Nityananda (7th February) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

The Lord expands Himself as Balarama, to spearhead the creation and maintenance of the universe. The first expansion of the Lord, Balarama shadows the Lord in Chaitanya lila as Lord Nityananda. Appearing as an avadhuta, Nityananda exhibits and establishes the principles of bhakti through His behaviour and activities. As the Adi Guru, this is His primary responsibility. He instructs, protects and favours those who harbour the desire to serve the Lord. Without earning the shelter of Lord Nityananda, one cannot nurture the creeper of bhakti.

The appearance of Lord Nityananda was celebrated with love and devotion at ISKCON, East of Kailash. There was an elaborate abhishek organised on 7th February. The transcendental chant of the holy name and sound of kirtan reverberated in the atmosphere. The deities dressed in the special flower dress in the morning and the dry fruit dress in the evening, stole away the heart of all those who visited and sought their favour.



Enhancing and Learning the skill of embellishing the Deities (Feb 9, 2020) (ISKCON, Punjabi Bagh)

ISKCON Girls Forum organized a jewellery making seminar for girls to make them learn the process of archana, one of the nine limbs of devotional service. The girls enthusiastically participated in learning a new skill to be employed in the service of Lordships. 25 girls attended the session. The session was presided over by 2 devotees from ISKCON Punjabi Bagh congregation. The session was very interactive and concluded with feast prasadam. के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण सोच विकसित करने हेतु एक व्यापक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया। दूसरे शब्दों में, ष्महत्वपूर्ण गहन सोचष् अधिष्ठात्मक वैज्ञानिक विधि द्वारा निर्धारित ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूर्ण सत्य की प्रकृति एवं उसकी परिपक्वता पर केंद्रित है। इसमें लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें 20 संकाय सदस्य भी शामिल थे। दर्शकों द्वारा इस वार्ता को इसकी निष्पक्ष प्रस्तुति एवं वैज्ञानिक दृढ़ता हेतु बहुत सराहना मिली।

भगवान नित्यानंद का आविर्भाव दिवस (७ फरवरी) (इस्कॉन, सभी दिल्ली–एनसीआर मंदिर)

ब्रह्मांड के निर्माण और रखरखाव हेतु भगवान स्वयं को बलराम के रूप में विस्तारित करते हैं। चौतन्य लीला में भगवान बलराम के प्रथम विस्तार, भगवान नित्यानंद रूप में छाया प्रदान करते हैं। अवधूत रूप में, नित्यानंद अपने व्यवहार और गतिविधियों के माध्यम से भक्ति के सिद्धांतों को प्रदर्शित और स्थापित करते हैं। आदि गुरु के रूप में, यह उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। वह निर्देश देते हैं, रक्षा करते हैं और उन लोगों के पक्षधर हैं जो प्रभु की सेवा करने की इच्छा से जुड़े रहते हैं। भगवान नित्यानंद का आश्रय अर्जित किए बिना कोई भी भक्तिलता का पोषण नहीं कर सकता।

ईस्ट ऑफ कैलाश इस्कॉन मंदिर में भगवान नित्यानंद का आविर्भाव दिवस प्रेम और भक्ति के साथ मनाया गया। 7 फरवरी को एक विस्तृत अभिषेक का आयोजन किया गया। कीर्तन तथा पवित्र हरिनाम की दिव्य ध्वनि से वातावरण गूंज उठा। श्री भगवान के अर्च–विग्रहों को सुबह विशेष फूलों की पोशाक पहनाई गई और शाम को पहनाई गई ड्राई फ्रूट ड्रेस ने, उन सभी लोगों का हृदय चुरा लिया, जिन्होंने भगवान की कृपा पाने हेतु मंदिर में दर्शन किया था।

अर्च विग्रहों को अलंकृत करने हेतु कौशल सृजन एवं विकास (9 फरवरी, 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन गर्ल्स फोरम ने लड़कियों को अर्चन विधि (जो भक्ति के नौ अंगों में से एक है) सीखने में सहायक आभूषण निर्माण कला सीखने हेतु सेमिनार का आयोजन किया। लड़कियों ने उत्साहपूर्वक भगवान की सेवा हेतु उपयोगी एक नए कौशल को सीखने में हिस्सा लिया। सत्र में 25 लड़कियों ने भाग लिया। सत्र की अध्यक्षता इस्कॉन पंजाबी बाग भक्त–मण्डली के 2 भक्तों ने की। अधिवेशन बहुत ही संवादात्मक था और भोज प्रसादम के साथ संपन्न हुआ।



🌳 A day to celebrate the spirit of giving fi Vijay Utsav (Feb 9, 2020) (ISKCON, Punjabi Bagh)

The annual Book Distribution Thanksgiving event - Vijay Utsav was organized in the auditorium of Delhi Haat, Janakpuri. This year the event was bigger than any time before with more than 500 attendees. The event was graced by the presence of H.G. Rukmini Mataji, an early disciple of Srila Prabhupada and Dr. Vivek Bindra, Asia's best motivational speaker. The event celebrated the distribution

of a record 2.8 Lac books for the divine pleasure of lordships and Srila Prabhupada. There were several interesting performances, including Sloka Recitation bv students of NC Jindal Public School, a beautiful theatre performance on the Krishna Sudama pastime, talks by H.G. Rukmini Mataji and H.G. Rukmini Krishna Prabhu and last but not least, a power-packed session by Dr. Vivek Bindra, importance on the of reading Bhagavad Gita and inculcating its teachings in our lives, leaving audience spellbound and inspired. The program saw

Bhagavad Gita - Chapter 2 Verse / karpanya-dosopahata-svabhavah precham am dharma-sammudha-cetah yan niscitam bruhi tan me m tvam prapannan

participation from Sh. Jayasankar Variyar (Vice Chancellor, GD Goenka University), Sh. Satish Kumar Arora (Judge, Supreme Court), Dr D.K Pandey (Principal, NC Jindal School) and 300 other guests. Vijay means victory, and the purpose of program was to celebrate the efforts of supporters in empowering people with knowledge and 'victory' in their respective struggles of life through distribution of Bhagavad Gita. The program concluded with grand feast prasadam for everyone.

🌳 Special lecture by H.G. Shyamsundara Prabhu (10th Feb) (ISKCON, Dwarka)

Srila Prabhupada disciple, H.G. Shyamsundara Prabhu graced the Dwarka devotees by sharing anecdotes about his days with Srila Prabhupada. He also launched his new book titled "Chasing Rhinos with the Swami" Vol-2.

A rejuvenating retreat in Govardhan (10-13 Feb) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Over 50 temple brahmacharis from ISKCON Punjabi Bagh, Rohini and Bahadurgarh went for a retreat to the most auspicious place of Govardhan. They were enriched by the divine association of H.H. Bhakti Ashraya Vaisnava Swami Maharaja and H.H. Asit Krishna Maharaja. The purpose of the retreat was to celebrate the spirit of togetherness in this

दान भावना के उत्सव को समर्पित एक दिवस -विजय उत्सव (9 फरवरी, 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

वार्षिक पुस्तक वितरण का धन्यवाद कार्यक्रम – विजय उत्सव, दिल्ली हाट जनकपूरी के सभागार में आयोजित किया गया। इस वर्ष का यह आयोजन 500 से अधिक लोगों की उपस्थित के साथ पूर्व समय के किसी भी आयोजन से बड़ा था। यह कार्यक्रम श्रील प्रभूपाद की प्रारंभिक शिष्या, श्रीमती रुक्मिणी माताजी, तथा एशिया के सर्वश्रेष्ठ प्रेरक वक्ता डॉ. विवेक बिंद्रा की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

> इस आयोजन में भगवान एवं श्रील प्रभूपाद के दिव्य आनंद हेतू रिकॉर्ड 2.8 लाख पुस्तकों के वितरण का उत्सव मनाया। एनसी जिंदल पब्लिक स्कूल के छात्रों द्व ारा भगवद्गीता के श्लोकों का सस्वर पाठन, कृष्ण एवं सुदामा पर आधारित एक लीला पर सुंदर नाटक का प्रदर्शन, श्रीमती रुक्मिणी माताजी एवं श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभू द्वारा प्रवचन और अंत में, डॉ. विवेक बिंद्रा द्वारा भगवत गीता के अध्यन एवं हमारे जीवन में इसकी शिक्षाओं को विकसित करने के महत्व पर. आधारित सशक्त–सत्र ने दर्शकों को प्रेरित एवं मंत्रमुग्ध कर दिया इसके साथ ही कई अन्य मनोरम कार्यक्रम भी हुए। कार्यक्रम में श्री जयशंकर वारियार (कुलपति, जीडी गोयनका विश्वविद्यालय), सतीश कुमार अरोड़ा (न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट), डॉ. डी के पांडे (प्राचार्य, एनसी जिंदल स्कूल) एवं अन्य 300 अतिथियों की भागीदारी देखी

गई। विजय का मतलब जीत है और कार्यक्रम का उद्देश्य भगवद गीता के वितरण के माध्यम से लोगों को ज्ञान एवं जीवन के अपने संघर्षों में श्जीतश् के साथ समर्थ बनाने के प्रयासों को जगाना था। कार्यक्रम का समापन सभी के लिए भव्य भोज प्रसादम के साथ हुआ।

🌳 श्रीमान श्याम सुंदर प्रभु द्वारा विशेष व्याख्यान (10 फरवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

श्रील प्रभुपाद के शिष्य, श्रीमान श्यामसुंदर प्रभु ने श्रील प्रभुपाद के साथ अपने दिनों के बारे में उपाख्यानों को साझा करके द्वारका भक्तों





wonderful movement and to rejuvenate. The trip included visit to different pastime places, Nectarian discourses, wonderful dramas, reading, chanting, discussions and prasadam.



Seminar by H.G. Bhurijana Prabhu (12th -17th February) (ISKCON, East of Kailash)

A five-day seminar by H.G. Bhurijana Prabhu was organised. The first two days were dedicated to improving chanting. These were intensive sessions of guidance towards development of right mood and consciousness interspersed with chanting amidst a live reminder of these by Prabhuji himself. The last three days were based on understanding the 'truths' from the life story of Narada Muni. Stressing on important things such as introspection and controlling the mind were discussed. Relevant and important lessons of sincerity and determined effort, to be learnt from the life of Narada Muni were also put forth. Using the analogy of the passing away of H.H. Gunagrahi Maharaja, it was explained how sincere endeavour ranks higher than perfection in spiritual evolution. The sessions were replete with guery resolution and sharing of realisations and experiences. The seminar was attended by almost 200 devotees from all around Delhi.

IYF, Vrindavan Dham Yatra (14th – 16th Feb) (ISKCON, Dwarka)

In the series of Spiritual yatras, ISKCON YOUTH FORUM, Dwarka has again organized the two days Vrindavan Dham Yatra to nourish the Krishna consciousness of the devotees. The aspiration of the Vrindavan is to uplift the devotion and experience the magical wonders (lilas) of lord Krishna. The attractions of the yatra were the views of the famous temples, visiting the famous places of Lord's pastimes, delicious prasadam, and the blissful kirtan and dance.

Seminars by H.G. Sukhavaha Mataji (19th- 20th February) (ISKCON, East of Kailash)

A Srila Prabhupada disciple, H.G. Sukhavaha Mataji conducted a seminar in ISKCON, East of Kailash auditorium on "Die before Dying". Attended by many devotees, this seminar discussed the ways, means and significance of developing detachment from body, designations and को गौरवान्वित किया। उन्होंने अपनी नई पुस्तक 'चेजिंग राइनोस विद द स्वामी' खंड–2 का शुभारंभ किया।

गोवर्धन में चेतना कायाकल्प कार्यक्रम (10–13 फरवरी) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग, रोहिणी और बहादुरगढ़ मंदिर के 50 से अधिक ब्रह्मचारी सबसे पवित्र स्थल गोवर्धन में चेतना विकास के कार्यक्रम हेतु पहुंचे। परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज एवं परम पूज्य असित कृष्ण महाराज का दिव्य संग पाकर सभी आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव कर रहे थे। रिट्रीट कार्यक्रम का उद्देश्य इस अद्भुत आंदोलन का कायाकल्प कर इसमें एकजुटता की भावना का संचार करना था। इस यात्रा में अलग–अलग लीलास्थलियों का भ्रमण, अमृतमयी प्रवचन, अद्भुत नाटक, अध्यन, चर्चा, जप, एवं प्रसादम भी शामिल रहा।

श्रीमान भूरिजन प्रभु द्वारा संगोष्ठी (12 –17 फरवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रीमान भूरिजन प्रभु द्वारा पाँच दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें पहले दो दिन जप के सुधार हेतु समर्पित रहे। प्रभुजी द्वारा निर्देशित सही मनोदशा और चेतना के विकास की दिशा में ये सत्र जिसमें प्रभुजी स्वयं जप के बीच बीच में स्मरण करा रहे थे, बड़े गहन रहे। अंतिम तीन दिवस नारद मुनि की जीवनी से श्सत्यश् को समझने पर आधारित थे। आत्मनिरीक्षण और मन को नियंत्रित करने जैसी महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा हुई। नारद मुनि के जीवन से सीखी जाने वाली ईमानदारी और दृढ़ प्रयास के प्रासंगिक और महत्वपूर्ण सबक मी सामने रखे गए। परम पूज्य गुणग्राही महाराज के निधन की उपमा का उपयोग करते हुए, यह बताया गया कि आध्यात्मिक विकास में पूर्णता की तुलना में पूरी ईमानदारी से किया गया प्रयास कैसे उच्च है। सत्र में जिज्ञासाओं के समाधान एवं वास्तविकताओं तथा अनुभवों को साझा किया गया। संगोष्ठी में दिल्ली भर से लगभग 200 भक्तों ने भाग लिया।



आईवाईएफ द्वारका, वृंदावन धाम यात्रा (14 – 16 फरवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

आध्यात्मिक यात्राओं की श्रृंखला में इस्कॉन युवा मंच द्वारका ने भक्तों की कृष्ण चेतना को पोषित करने हेतु दो दिवसीय वृंदावन धाम यात्रा का आयोजन किया। भक्ति के उत्थान की आकांक्षा एवं भगवान कृष्ण की चमत्कारिक लीलाओं के साक्षात्कार की महत्वकांक्षा ही वृन्दावन की अनुभूति है। यात्रा के महत्वपूर्ण आकर्षण प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन, other material aspects before we leave the present body. Preparation for death as the junction for transforming the journey of the soul was discussed. The seminar encouraged attendees to assess their seriousness and commitment to spiritual life in light of the changes in lifestyle, thought process and consciousness, required to progress on the spiritual path.

Prior to this, on 19th February, Mataji also conducted a session for Vaishnavis on "Deepening Compassion-Deepening Relationships". This was aimed at developing a perspective over the crucial role played by Vaishnavis in grihastha life. Various aspects of this role were scrutinized and understood. Vaishnavis were encouraged to review their spiritual situation and progress in the light of their significance in the spiritual development of the family.

Appearance day of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura (13th February)

The appearance of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura was celebrated with abhishek, kirtan and glorification. The acharya was remembered for his contributions to the reestablishment of Vaishnavism. Known as 'Lion Guru', he uprooted smarta Brahmanism to prove the supremacy of Vaishnava philosophy. He laid the foundation of Krishna consciousness movement by training young men to take the principles of bhakti to the western world. He built mathas and travelled extensively to preach the basic principles of bhakti. His modern approach to the mission of preaching, which included depiction of dioramas found relevance in the life of educated, post-colonial young people.

Srila Jagannatha Dasa Babaji Maharaja Disappearance Day (24th February)

The disappearance day of Srila Jagannatha Dasa Babaji Maharaja was celebrated with pushpanjali, kirtan and a feast.



Overlowing nectar of Srila Prabhupada Lila (Feb 2020) (ISKCON, Punjabi Bagh)

ISKCON Punjabi Bagh was extremely fortunate to be visited by 4 disciples of Srila Prabhupada – H.G. Shyamsundar prabhu, H.G. Rukmini Mataji, H.G. Mandakini Mataji and H.G. Sukhavaha Mataji. All the visiting disciples of Srila भगवान की प्रसिद्ध लीलास्थलियों के दर्शन, स्वादिष्ट प्रसादम और आनंदमय नृत्य एवं कीर्तन रहे।

श्रीमती सुखवाहा माताजी द्वारा संगोष्ठी (19 से 20 फरवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील प्रभुपाद की शिष्या श्रीमति सुखवाह माताजी ने इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश के सभागार में ष्मृत्यु के पूर्व मरणष् नामक एक संगोष्ठी का आयोजन किया। कई भक्तों द्वारा इसमें भाग लिया गया, इस संगोष्ठी में वर्तमान शरीर को छोड़ने से पूर्व ही शरीर, पदनाम एवं अन्य समग्र भौतिक पहलुओं से विलग होने के तरीकों, साधनों और महत्व पर चर्चा की गई। आत्मा की यात्रा के बदलाव हेतु जंक्शन के रूप में मृत्यु की तैयारी पर चर्चा की गई। संगोष्ठी ने उपस्थित लोगों को जीवन शैली में परिवर्तन, आध्यात्मिक प्रक्रिया और चेतना के प्रकाश में आध्यात्मिक जीवन के प्रति उनकी गंभीरता और प्रतिबद्धता का आकलन करने हेतु प्रोत्साहित किया, जो आध्यात्मिक पथ पर प्रगति हेतु आवश्यक है।

इससे पहले, 19 फरवरी को, माताजी ने वैष्णवियों हेतु 'गहन अनुकंपा – गहरा संबंध' विषय पर एक सत्र आयोजित किया। इसका उद्देश्य गृहस्थ जीवन में वैष्णवियों द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर एक दृष्टिकोण विकसित करना था। इस भूमिका के विभिन्न पहलुओं की छानबीन की गई और उन्हें समझा गया। वैष्णवियों को उनकी आध्यात्मिक स्थिति की समीक्षा करने और परिवार के आध्यात्मिक विकास हेतु उनके निजी महत्व के प्रकाश में प्रगति करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

श्रील भक्ति सिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का प्राकट्य दिवस (13 फरबरी)

श्रील भक्तिसिद्धांत सरस्वती ठाकुर की प्राकट्य तिथि अभिषेक, कीर्तन एवं उनकी महिमा गायन के साथ मनाई गई। वैष्णववाद की पुनःस्थापना में उनके योगदान हेतु आचार्य श्री का स्मरण किया गया। सिंह—गुरु 'के रूप में विख्यात, उन्होंने वैष्णव दर्शन की सर्वोच्चता साबित करने हेतु स्मार्त ब्राह्मणवाद को उखाड़ फेंका। उन्होंने भक्ति के सिद्धांतों को पश्चिमी संसार में ले जाने हेतु युवाओं को प्रशिक्षित करके कृष्ण भावनामृत आंदोलन की नींव रखी। उन्होंने मठों का निर्माण किया और भक्ति के मूल सिद्धांतों का प्रचार करने हेतु बड़े पैमाने पर यात्रायें कीं। प्रचार के आंदोलन हेतु उनका आधुनिक दृष्टिकोण, शिक्षित, उपनिवेशवादी युवाओं के जीवन में प्रासंगिकता पा गया जिसमें कि नाटकों का चित्रण भी शामिल था।

श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव दिवस (24 फरवरी)

श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज के तिरोभाव दिवस को पुष्पांजलि, कीर्तन और भोज प्रसादम के साथ मनाया गया।

श्रील प्रभुपाद की लीला का बाढ़ रूपी अमृत (फरवरी 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग में श्रील प्रभुपाद के 4 शिष्यों – श्रीमान श्याम सुंदर प्रभु, श्रीमति रुक्मिणी माताजी, श्रीमति मन्दाकिनी माताजी और श्रीमति सुखवाह माताजी द्वारा पहुंचना अत्यंत सौभाग्यशाली था। मंदिर में आए श्रील प्रभुपाद के सभी शिष्यों ने कृष्ण भावनमृत के इस पथ पर अपने मूल्यवान अनुभवों को साझा किया और साथ ही श्रील प्रभुपाद Prabhupada shared their valuable realizations on this path of Krishna Consciousness and also their realizations from their association with Srila Prabhupada. H.G. Shyamsundar prabhu, one of the earliest and most intimate disciples of Srila Prabhupada also launched his new book – "Chasing the Rhinos – Part II" which elaborates his journey with Srila Prabhupada in early 1970s when Prabhupada brought his "Dancing White Elephants", his early disciples to India and how the movement really exploded in India.



Gaura Purnima festival in Mayapur (18th February – 11th March)

The annual Gaura Purnima Festival at Mayapur sees the conglomeration of devotees from all around the world. Beginning from February 18, with the Sravana Utsav, devotees will absorb themselves in deep insights from shastras as shared by stalwart speakers of ISKCON. February 22, is the day of Flag Hoisting Festival along with the Adhivas of Annual Kirtan Mela, which is looked forward to by devotes all across the world. Chanting of the holy name and kirtan by dedicated devotees from all around will fill the atmosphere with transcendental sound vibrations from February 23 to 26.

The Annual Prakirama will begin from February 26 to March 5. Parties of devotees visit all the places of pastimes of the Lord, immersing themselves in hearing about the glories of Mahaprabhu.

두 Gaura Purnima (9th March)

The advent of the Lord as Chaitanya Mahaprabhu is predicted in the Srimad Bhagavatam. Krishna takes the complexion and bhava of Radharani to advent as Gauranga, in Bengal, to spread the love of Godhead freely, to the people of Kaliyuga. His pastimes are reminders of Krishna Lila and He fills the world with His merciful gift of the Sankirtana movement as the yuga dharma. He teaches through His behaviour and His teachings that without serving the Lord and accepting His servitude, human life cannot be perfected. Chanting of the holy names is to be the process that can help develop our consciousness to place all living beings in their constitutional positions. Making the animals of Jharikhanda dance to His chanting, He extended His mercy to all living beings. The Gaura Purnima festival will be celebrated with love and devotion. The festival of Gaura Purnima will be celebrated with Abhishek, amidst chanting of the holy name and kirtan. Devotees will attend this ceremony in large numbers. The deities will be dressed in fineries, offering immense pleasure to those who are fortunate enough to take Their divine darshans. The abhishek will be followed by sumptuous feast which is another form of the Lord's mercy.

Rath-Yatra in Rohini (15th March) (ISKCON, Rohini)

The grand event of an annual chariot festival 'Sri Sri Krishna

के संग उनके वास्तविक अमूल्य अनुभवों को भी। श्रील प्रभुपाद के प्रारंभिक और सबसे अंतरंग शिष्यों में से एक, श्रीमान श्याम सुंदर प्रभु, ने अपनी नई पुस्तक – ष्वेजिंग द राइनोस" दृ खंड–2 का शुभारम्भ किया, जो 1970 के दशक की शुरुआत में श्रील प्रभुपाद के साथ उनकी यात्रा को विस्तार से सुनाती है जब प्रभुपाद अपने 'नृत्य करते श्वेत हथियों' को जो उनके प्रारंभिक शिष्य थे को लेकर भारत आए एवं भारत में आंदोलन वास्तव में किस प्रकार से विस्तुत हुआ।



मायापुर में गौर पूर्णिमा महोत्सव (18 फरवरी – 11 मार्च) मायापुर में वार्षिक गौर पूर्णिमा महोत्सव में दुनिया भर के भक्तों का जमावड़ा लगता है। 18 फरवरी को शुरू हुए श्रवण उत्सव के साथ, भक्त अपने आप को इस्कॉन के दिग्गज वक्ताओं द्वारा साझा की गई शास्त्रों की गहरी अंतर्दृष्टि में समवेत करेंगे। 22 फरवरी, वार्षिक कीर्तन मेला के अधिवास के साथ ध्वजा रोहण का त्यौहार है, जिसे दुनिया भर के श्रद्धालु देखते हैं। 23 से 26 फरवरी तक समर्पित भक्तों द्वारा पवित्र हरिनाम का जाप और कीर्तन दिव्य ध्वनि स्पंदन से चारों ओर के वातावरण को भर देगा।

वार्षिक परिक्रमा 27 फरवरी से शुरू होकर 5 मार्च तक चलेगी। भक्तों के दल महाप्रभु की कथा एवं उनकी महिमा का गायन सुनते हुए उनकी सभी लीला स्थलियों के स्थानों पर दर्शन करते हैं।

🌳 गौर पूर्णिमा (9 मार्च)

चौतन्य महाप्रभु के रूप में भगवान के आगमन की भविष्यवाणी श्रीमदभागवतम् में की गई है। श्री कृष्ण श्रीमती राधा रानी के भाव और उनकी कांति लेकर कलयुग के जीवों को स्वतंत्र रूप से कृष्ण प्रेम बांटने हेतू बंगाल में गौरांग के रूप में प्रकट हुए हैं। उनकी लीलायें हमें कृष्ण लीला की याद दिलाती हैं और वह संसार को अपने यूग धर्म रूपी संकीर्तन आंदोलन के कृपामयी उपहार से आप्लावित कर देते हैं। वह अपने व्यवहार एवं उपदेशों के माध्यम से सिखाते हैं कि प्रभु की सेवा किए बिना और उनकी सेवा को स्वीकार किए बिना, मानव जीवन कभी परिपूर्ण नहीं हो सकता है। पवित्र हरिनाम का जप वह प्रक्रिया है जो सभी जीवों को अपने स्वरूप में स्थित होने हेतु हमारी चेतना को विकसित करने में सहायक होती है । झारखंड के पशुओं को अपने कीर्तन के संग नृत्य करवाते हुए, उन्होंने सभी जीवों तक अपनी कृपा व्रष्टि की। गौर पूर्णिमा महोत्सव प्रेम और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। पवित्र हरिनाम एवं कीर्तन के मध्य गौर पूर्णिमा का त्योहार अभिषेक के साथ मनाया जाएगा। इस समारोह में बड़ी संख्या में भक्तों का आगमन होगा। विग्रहों को विभिन्न पोशाकों में अलकृत किया जाएगा जो कि उनके दिव्य दर्शन लेने वाले सौभाग्यशाली भक्तों को असीम आनंद प्रदान करेंगे ।अभिषेक के उपरांत भोज प्रसादम किया जाएगा जो कि भगवान की दया का एक अन्य रूप है।

रोहिणी रथ—यात्रा (15 मार्च) (इस्कॉन, रोहिणी)

15 मार्च, रविवार को एक वार्षिक रथ उत्सव श्श्री श्री कृष्ण बलरामश् रथ यात्रा का भव्य आयोजन होगा। निमंत्रण पत्र प्रकाशित हो चुके हैं Balarama' Rath yatra will be held on 15th March, Sunday. Invitation cards have been published & devotees have started putting in their best to make the event a grand success. Everyone is cordially invited to this sankirtan festival to come & pull the chariot and receive unlimited mercy from Sri Sri Krishna-Balarama.



real state of the second secon

Sri Sri Radha Madhav Temple, ISKCON Rohini is nearing its completion now. Current acharyas & temple management have already envisioned 2020 for its grand opening. On the day of Narsingh Chaturdashi, 'Sudarshan Yagya' will be held in the temple & by this year's Janmashtami, the temple hall will be opened. Sudarshan sewa worth 50000/- is still going on. A final invocation is to one and all to do sewa for not only completing the temple but also for our own eternal benefit. और भक्तों ने इस आयोजन को सफल बनाने हेतु पूर्ण प्रयास करना शुरू कर दिया है। सभी को सौहार्दपूर्वक इस संकीर्तन समारोह में रथ को खींचने एवं श्रीकृष्ण–बलराम की असीम कृपा प्राप्त करने हेतु आमंत्रित किया जाता है।

रोहिणी मंदिर निर्माण लगभग पूरा होने की ओर अग्रसर है

श्री श्री राधा माधव मंदिर, इस्कॉन रोहिणी निर्माण अब पूरा होने वाला है। वर्तमान आचार्यों और मंदिर प्रबंधन ने इसके भव्य उद्घाटन के लिए 2020 की संकल्पना की है। नरसिंह चतुर्दशी के दिन, मंदिर में 'सुदर्शन यज्ञ' आयोजित किया जाएगा और इस वर्ष की जन्माष्टमी तक मंदिर के पट खोल दिये जायेंगे। रु 50000 / – मूल्य की सुदर्शन सेवा अभी भी चल रही है। यह एक अंतिम आह्वान है न केवल मंदिर को पूरा करने हेतु, बल्कि हमारे स्वयं के अनन्त लाभ के लिए सभी को सेवा करना है।





International Cultural Exchange Trip (15th Feb) (ISKCON, Gurugram)

It was a great honour for ISKCON Gurugram to be the first host for an International Cultural Exchange trip of about 50 Russian students and six teachers. The event was organised by St. Xavier's School, Gurugram. The annual event features students and teachers from Russian schools visiting India for a week and getting to its culture and heritage. It is a matter of great pride for ISKCON that the organisers decided start the program with a visit to ISKCON temple here. The event included a talk on the basic spiritual principles from Bhagavad Glta by Rambhadra Prabhu, President ISKCON Gurugram. The talk was studded with humour making it easy for audience to appreciate its relevance. This was followed by kirtan, in which everyone participated by dancing and chanting with enthusiasm. Rambhadra Prabhu also gifted a Krishna book to each of the student and teacher.

Before leaving everyone honoured prasadam. It was a new experience for the guests to eat from leaf plates while seated on ground, as is traditionally done in India. Everyone relished the experience. The teachers expressed their keen desire to make this visit to ISKCON a permanent part of the program.

WHO IS LORD CAITANYA?

Many people, even in India, have never heard the name of Sri Caitanya Mahaprabhu. From the historical records Lord Caitanya comes across as a God-conscious saint who appeared in India during the sixteenth century. But we must dive into the devotional Vedic literature to understand the full, spiritual significance of Lord Caitanya and the bhakti movement that He inaugurated.

Looking at the biographies of Lord Caitanya, especially the Caitanya-bhagavata, by Vrndavana dasa Thakura, and the Caitanya-caritamrta, by Krsnadasa Kaviraja, we come to very different conclusions. Both of these works were compiled in the sixteenth century and are filled with first-hand accounts of Lord Caitanya's acts and teachings. The Caitanya-caritamrta is especially valuable, because the author quotes extensively from the Sanskrit Vedic scriptures to authoritatively and logically establish the divinity of Lord Caitanya.

One of the opening verses of Caitanya-caritamrta boldly asserts that Lord Caitanya is none other than the Supreme Personality of Godhead, Lord Krsna Himself:

What the Upanisads describe as the impersonal Brahman is but the effulgence of His body, and the Lord known as the Supersoul (Paramatma) is but His localized plenary portion. He is the Supreme Personality of Godhead, Krsna Himself, full with six opulences [wealth, fame, strength, beauty, knowledge, and renunciation]. He is the Absolute Truth, and no other truth is greater than or equal to Him.

The author of Caitanya-caritamrta does not expect us to accept this statement without proof; therefore, he carefully argues on the basis of guru, sastra, and sadhu to support his assertion about Lord Caitanya. (According to Vedic knowledge. spiritual truth is revealed through three harmonious sources: the scriptures [sastra], the disciplic succession of previous saints and teachers [sadhu], and one's own spiritual master [guru]. When these three authorized sources agree, then information is conclusive.)

According to Vedic literature, the Supreme Personality of Godhead, appears in this world in various incarnations foretold in the scriptures. The Srimad-Bhagavatam gives a comprehensive list of the prominent incarnations and then concludes: ete camsa-kala pumsah krsnas tu bhagavan svayam. This means that all of the listed incarnations are parts of the Godhead, but the appearance of Lord Krsna is special because Krsna is bhagavan svayam, the original Personality of Godhead from whom all incarnations emanate.

In accepting Krsna as the Supreme Lord, the author of Caitanyacaritamrta is one among many millions, but when he asserts that Lord Caitanya is the same Lord Krsna, he reveals a more confidential understanding of the Absolute Truth. Commenting on Caitanya-caritamrta, Srila Prabhupada describes the progressive logic of the Caitanya-caritamrta's author, Krsnadasa Kaviraja: "The author wants to establish first that the essence of the Vedas is visnu-tattva [or Bhagavan], of which the highest category is Lord Krsna. It is also the conclusion of the Vedic literatures that there is no difference between Lord Krsna and Lord Caitanya Mahaprabhu. This the author will prove. If it is thus proved that Sri Krsna is the origin of all tattvas, namely, Brahman, Paramatma, and Bhagavan, and there is no difference between Sri Krsna and Lord Sri Caitanya Mahaprabhu, it will not be difficult to understand that Sri Caitanya Mahaprabhu is also the same origin of all tattvas."

Although Lord Caitanya Himself never declared that He was Krsna, the Vedic literature reveals that He was. The Bhagavatam, for instance, not only identifies Lord Caitanya but also describes His mission:

krsna-<mark>varnam</mark> tvisakrsnam sangopangastra-parsadam yajnaih s<mark>ankirtana-prayair</mark> yajanti hi sumedhasah

"In the age of Kali, intelligent persons perform congregational chanting to worship the incarnation of Godhead who constantly sings the name of Krsna. Although His complexion is not blackish, He is Krsna Himself. He is accompanied by His associates, servants, weapons, and confidential companions." [SB11.5.32]

Why did Lord Krsna appear in this form? The answer: Lord Krsna in His form of Lord Caitanya most generously distributes love of God to the fallen people of the age of Kali. When Lord Krsna appeared on earth five thousand years ago, He blessed the world with His loving pastimes in Vrndavana and with His teachings in the Bhagavad-gita. But with the passage of time, it became more and more difficult for people to fully appreciate and take advantage of that blessing. The present age, the age of Kali, is characterized by the deterioration of spiritual values and understanding. In the course of time, therefore, people became confused about Lord Krsna's teachings in the Gita. Also, the unfortunate people of this age are unable to practice austerities for self-purification in spiritual life. To rescue these fallen souls, therefore, Lord Krsna has again appeared, but this time as His own pure devotee. Lord Caitanya.

The specific mission of Lord Caitanya was, by both example and precept, to distribute the religion (dharma) specifically ordained for this age, the chanting of the holy names of God. Historically Lord Caitanya may be described as a Bengali saint, but His mercy is not intended merely for the Bengalis. It is for the entire world. He even predicted that the chanting of the name of Krsna would one day be known in every city, town, and village in the world.

The chanting of the holy names of God as delivered by Lord Caitanya is not only an easy practice, but it is also the topmost method for achieving spiritual perfection. No one but the Supreme Lord Himself could distribute the highest form of devotional service, and thus Lord Krsna Himself appeared as a devotee. That is Lord Caitanya.

Lord Caitanya is Lord Krsna in His most merciful feature. Therefore, even if one doesn't understand Lord Caitanya's identity as the Supreme Lord, but accepts Him as a saintly person or as a social reformer and philosopher, one can still derive the highest benefit by chanting the names of God. Without knowing anything at all about Lord Caitanya, people throughout the world have enthusiastically participated in Lord Caitanya's sankirtana movement of chanting, dancing, and partaking of spiritual food (prasadam). Through the growing Hare Krsna movement, Lord Caitanya's prediction is quickly coming to pass, and the holy name of Krsna is known everywhere. The day will soon come when knowledge and appreciation of Lord Caitanya will also become widespread, because whoever chants Hare Krsna becomes Lord Caitanya's follower, and He then enlightens the devotee from within, revealing the highest transcendental knowledge of the Supreme Personality of Godhead, Sri Krsna Caitanya.

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi Chirag Delhi, New Delhi-110017 Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885 Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village Okhla, Phase – I, New Delhi-110020 Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934 Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir (Panghat wala), Gurudwara Road Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003 Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999 Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road (Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062 Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160 Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement) Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014 Contact at: 9811281521, 011-26348371 Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091 Contact at: 9810114041, 9958680942

Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir 1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri, New Delhi-110065 Contact at: 9711120128, 9654537632

Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika

Sangam Vihar, New Delhi-110080 Contact at: 9212495394, 9810438870 Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation) Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station, New Delhi -110001 Every Wednesday 1PM -2 PM Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt. C ph.2 Mayur Vihar Every Saturday 5.30 - 7.30 PM Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park, Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023 Every Monday 6 PM to 8 PM Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003 Every Saturday 5 PM to 7 PM Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram, New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market, New Delhi – 110001 Every Saturday 5 PM to 7 PM Contact: 9560291770, 9717635883

Lajpat Nagar – 7pm. Every MONDAY at Sant Kanwar Ram Mandir, Jal Vihar Road, Lajpat Nagar-2, New Delhi. Contact : 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Vaikuntha Fun School, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, PUNJABI BAGH

Kirti Nagar- Shemrock heights Play School- E-77, opp. Kotak Mahindra Bank. Centre Coordinator- Krishna Murari Prabhuji- 9868387810

Paschim Vihar- 344, Pragati Apartments, club road Punjabi bagh, Centre Co-ordinator- Jahanvi Mataji 9250637080, Parul prabhuji- 9971493379

Rani Bagh- OM Public School, Furniture Market, Rishi Nagar. Centre Co-ordinator Vikas Singhal- 9654690503, Sadhyavilasini Mataji – 9212400126

Vishal Enclave- Kidz Liliput- B33 Vishal Enclave, Rajouri Garden, Centre Coordinator- Kavita Gulati Mataji -8447487375

Shastri Nagar WZ-38, opposite Mother Dairy, Centre Coordinator- Vaibhav Gupta Prabhuji- 9868036006, 9213432666, Sadhya Krishan Prabhuji- 9999840554

SKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MADIR

New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

S.G.N. WEALTH ADVISORY SERVICES Cont: 9212743876, 8851942718 Email: srigaurharidas@gmail.com

Financial Planing • Tax Planing • Health Planing Mutual Funds • Bank F.D. • General/Life Insurance

DWARKA TEMPLE GREETS ITS PATRONS

Name	Relationship with Donor	DOB
ANKIT JAIN JI	Self B'day	4-Mar-1982
KAPIL BABBAR JI	Self B'day	7-Mar-1977
O P Jindal JI	Self B'day	31-Mar-2018
SHUSHMA AGGARWAL JI	Wife of Shri Bhagwan Mittal ji	15-Mar-1964
NIKHIL AGGARWAL JI	Son of Shri Bhagwan Mittal ji	19-Mar-1990
DEEPAK GUPTA JI	Son of Deepak Gupta ji	17-Mar-1979
SIDDHARTH JAIN JI	Son of Gautam Jain ji	04 March 2002

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vigraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666

International Society for Krishna Consciousness Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada



Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65 Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg, West Punjabi Bagh, Delhi-26 Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwaka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075 Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/ Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road, Badshahpur, Gurugram, Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881 ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan, C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad, Phone : 0129-4145231 Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh, Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799 Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road, Sector-25, Rohini New Delhi 110085 Phone: +91-9871276969 Email: iskcon.rohini@gmail.com

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at delhinews108@gmail.com



ISKCON Temple Complex, Sant Nagar, East of Kailash, New Delhi-110065

98718 63733 | 9650800328 | 011-41094042

Transcendental Dining Experience



Only Restaurant in Delhi serving unique Multi-Cuisine traditional feast of 56 varieties of dishes under one roof...

Facilities for Corporate Meetings / Seminars / Weddings / Birthday / Reception etc. from Minimum 30 to 600 persons. We undertake Outdoor Catering services as well.

- Wide selection of Snacks & Desserts
 - Multi Cuisine Menu
 - Unique Ambience
 - Theme Decor Arrangement

Lunch 12.30 to 3.30 pm Snacks 4.00 to 6.30 pm

Dinner 7.00 to 10.00 pm